भारतीय अर्थव्यवस्था के क्षेत्रक

इस अध्याय के सभी महत्वपूर्ण प्रश्न – उत्तर सहित। पहले खुद हल करने की कोशिश करो, फिर उत्तर मिलाओ।

अभ्यास प्रश्न-उत्तर (हर टॉपिक से)

» आर्थिक गतिविधियों के क्षेत्राक: प्राथमिक, द्वितीयक, तृतीयक

प्रश्न 1 (आसान). खेती करना किस क्षेत्राक में आता है?
उत्तर – प्राथमिक क्षेत्राक

प्रश्न 2 (आसान). कपड़ा बनाना किस क्षेत्राक में आता है?
उत्तर – द्वितीयक क्षेत्राक

प्रश्न 3 (मध्यम). ट्रक ड्राइवर का काम किस क्षेत्राक का उदाहरण है?
उत्तर – तृतीयक क्षेत्राक

प्रश्न 4 (कठिन). प्राथमिक क्षेत्राक को 'कृषि एवं सहायक क्षेत्राक' क्यों कहते हैं?
उत्तर – क्योंकि हमें अधिकांश प्राकृतिक उत्पाद कृषि (खेती), डेयरी, मत्स्यन और वनों से मिलते हैं।

» प्राथमिक क्षेत्राक और उसके उदाहरण

प्रश्न 5 (आसान). खेती करना किस क्षेत्राक की गतिविधि है?
उत्तर – प्राथमिक क्षेत्राक

प्रश्न 6 (आसान). कोयला निकालना किस क्षेत्राक में आता है?
उत्तर – प्राथमिक क्षेत्राक

प्रश्न 7 (मध्यम). अगर एक व्यक्ति जंगल से शहद इकट्ठा कर रहा है, तो यह किस क्षेत्राक में आएगा?
उत्तर – प्राथमिक क्षेत्राक, क्योंकि शहद सीधे प्रकृति से मिल रहा है।

» द्वितीयक क्षेत्राक और उसके उदाहरण

प्रश्न 8 (आसान). पेड़ से कागज बनाना कौन सा क्षेत्राक है?
उत्तर – द्वितीयक क्षेत्राक

प्रश्न 9 (आसान). मछली पकड़ना कौन सा क्षेत्राक है?
उत्तर – प्राथमिक क्षेत्राक

प्रश्न 10 (मध्यम). कपास की खेती करना और फिर कपास से सूत बनाना - इसमें से द्वितीयक गतिविधि कौन सी है?
उत्तर – कपास से सूत बनाना

प्रश्न 11 (कठिन). अगर कोई लोहार लोहे से औज़ार बनाता है, तो वह किस क्षेत्राक में आएगा? लोहा कहाँ से आता है, और औज़ार कहाँ बनते हैं, इस पर सोचो।
उत्तर – लोहा खदान से निकलता है (प्राथमिक), लेकिन लोहे को पिघलाकर औज़ार बनाना द्वितीयक क्षेत्राक है।

» तृतीयक क्षेत्राक (सेवा क्षेत्राक) और उसके उदाहरण

प्रश्न 12 (आसान). डाकिया कौन से क्षेत्राक से संबंधित है?
उत्तर – तृतीयक क्षेत्राक (सेवा क्षेत्राक)

प्रश्न 13 (आसान). कपड़ा बेचने वाला दुकानदार किस क्षेत्राक में आता है?
उत्तर – तृतीयक क्षेत्राक (सेवा क्षेत्राक)

प्रश्न 14 (मध्यम). क्या एक वकील का काम तृतीयक क्षेत्राक में आता है? क्यों?
उत्तर – हाँ, क्योंकि वकील हमें कानूनी 'सेवा' प्रदान करता है, कोई वस्तु नहीं बनाता।

प्रश्न 15 (कठिन). इंटरनेट कैफे और कॉल सेंटर जैसी नई सेवाएँ किस क्षेत्राक का हिस्सा हैं और क्यों?
उत्तर – ये भी तृतीयक क्षेत्राक का हिस्सा हैं क्योंकि ये सीधे कोई वस्तु नहीं बनातीं बल्कि लोगों को सूचना, संचार और अन्य सहायता 'सेवा' के रूप में प्रदान करती हैं।

» क्षेत्राकों की परस्पर-निर्भरता

प्रश्न 16 (आसान). अगर कोई मछुआरा मछली पकड़ता है, तो यह किस क्षेत्राक की गतिविधि है?
उत्तर – प्राथमिक क्षेत्राक

प्रश्न 17 (आसान). बिस्कुट बनाने वाली फैक्ट्री किस क्षेत्राक में आती है?
उत्तर – द्वितीयक क्षेत्राक

प्रश्न 18 (मध्यम). एक स्कूल बस चलाने वाला ड्राइवर किस क्षेत्राक का हिस्सा है, और क्यों?
उत्तर – तृतीयक क्षेत्राक, क्योंकि वह बच्चों को स्कूल पहुंचाने की 'सेवा' दे रहा है।

प्रश्न 19 (कठिन). अगर देश में ट्रांसपोर्ट (परिवहन) व्यवस्था ठप हो जाए, तो प्राथमिक और द्वितीयक क्षेत्राक पर इसका क्या असर होगा?
उत्तर – प्राथमिक क्षेत्राक के उत्पाद (जैसे अनाज) किसानों से बाजारों तक नहीं पहुंच पाएंगे, और द्वितीयक क्षेत्राक की फैक्ट्रियों में कच्चा माल नहीं पहुंच पाएगा व तैयार माल ग्राहकों तक नहीं जा पाएगा। इससे दोनों क्षेत्राकों का काम रुक जाएगा।

» सकल घरेलू उत्पाद (GDP) की गणना

प्रश्न 20 (आसान). अगर एक फर्नीचर बनाने वाला ₹10000 की लकड़ी खरीदकर ₹25000 की मेज बेचता है, तो GDP में कितना मूल्य जोड़ा जाएगा?
उत्तर – ₹25000

प्रश्न 21 (आसान). एक कार कंपनी ₹5 लाख के पार्ट्स खरीदती है और ₹8 लाख की एक कार बेचती है। GDP में कितना मूल्य जुड़ेगा?
उत्तर – ₹8 लाख

प्रश्न 22 (मध्यम). एक किसान ने ₹20000 की कपास उगाई। इसे एक फैक्ट्री ने ₹35000 में खरीदा और कपड़े बनाए। वो कपड़े एक दुकानदार ने ₹60000 में खरीदे और ₹90000 में ग्राहकों को बेचे। GDP में कितना मूल्य जुड़ेगा?
उत्तर – ₹90000

प्रश्न 23 (कठिन). एक स्टील प्लांट ₹500 करोड़ का कच्चा लोहा खरीदता है और ₹800 करोड़ का स्टील बेचता है। एक कार निर्माता उस स्टील का इस्तेमाल करके ₹2000 करोड़ की कारें बनाता है। इस पूरी प्रक्रिया में GDP में कुल कितना मूल्य जुड़ा?
उत्तर – ₹2000 करोड़

» सकल मूल्य वर्धित (GVA) और GDP में अंतर

प्रश्न 24 (आसान). GVA का पूरा नाम क्या है?
उत्तर – सकल मूल्य वर्धित (Gross Value Added)

प्रश्न 25 (आसान). GVA में टैक्स को क्या करते हैं?
उत्तर – घटाते हैं

प्रश्न 26 (मध्यम). GDP और GVA में से कौन हमें अलग-अलग सेक्टरों का योगदान ज़्यादा साफ़ दिखाता है?
उत्तर – GVA

प्रश्न 27 (कठिन). अगर सरकार किसी चीज़ पर टैक्स बढ़ा दे और सब्सिडी कम कर दे, तो उस चीज़ के GVA पर क्या असर पड़ेगा?
उत्तर – GVA कम हो जाएगा

» क्षेत्राकों में ऐतिहासिक परिवर्तन और महत्व

प्रश्न 28 (आसान). प्रारंभिक अवस्था में सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्राक कौन सा था?
उत्तर – प्राथमिक क्षेत्राक

प्रश्न 29 (आसान). सेवा क्षेत्राक किस श्रेणी में आता है - प्राथमिक, द्वितीयक या तृतीयक?
उत्तर – तृतीयक क्षेत्राक

प्रश्न 30 (मध्यम). औद्योगीकरण के दौर में किस क्षेत्राक का महत्व सबसे अधिक बढ़ा?
उत्तर – द्वितीयक क्षेत्राक

प्रश्न 31 (कठिन). विकसित देशों में सेवा क्षेत्राक के बढ़ते महत्व के दो प्रमुख कारण बताइए।
उत्तर – पहला, बुनियादी सेवाओं (अस्पताल, शिक्षा) की बढ़ती आवश्यकता। दूसरा, आय बढ़ने से नई सेवाओं (पर्यटन, शॉपिंग) की मांग।

» भारत में क्षेत्राकों का उत्पादन और रोजगार में योगदान

प्रश्न 32 (आसान). भारत में 2017-18 में उत्पादन के मामले में सबसे बड़ा क्षेत्राक कौन सा था?
उत्तर – तृतीयक क्षेत्राक

प्रश्न 33 (आसान). आज भी भारत में सबसे ज़्यादा लोगों को रोजगार कौन सा क्षेत्राक देता है?
उत्तर – प्राथमिक क्षेत्राक (खेती)

प्रश्न 34 (मध्यम). पिछले चालीस सालों में भारत में किस क्षेत्राक के उत्पादन में सबसे ज़्यादा वृद्धि हुई?
उत्तर – तृतीयक क्षेत्राक

प्रश्न 35 (कठिन). उत्पादन और रोजगार के योगदान में समानता क्यों नहीं दिखती? (जैसे उत्पादन में तृतीयक सबसे आगे है पर रोजगार में प्राथमिक)
उत्तर – इसका मुख्य कारण यह है कि द्वितीयक और तृतीयक क्षेत्राक में उत्पादन तो बढ़ा है, लेकिन उतने रोजगार के अवसर पैदा नहीं हुए हैं। खासकर कृषि में आवश्यकता से अधिक लोग लगे हैं, जिसे अल्प-बेरोज़गारी या प्रच्छन्न बेरोज़गारी कहते हैं।

» तृतीयक क्षेत्राक का बढ़ता महत्व: कारण

प्रश्न 36 (आसान). कौन सी सेवाएँ 'बुनियादी सेवाएँ' कहलाती हैं?
उत्तर – अस्पताल, स्कूल, डाकघर, पुलिस स्टेशन आदि।

प्रश्न 37 (आसान). खेती और उद्योग के बढ़ने से कौन सी सेवाओं की मांग बढ़ती है?
उत्तर – परिवहन, व्यापार और भंडारण।

प्रश्न 38 (मध्यम). आय बढ़ने से लोग किन नई सेवाओं की मांग करने लगते हैं?
उत्तर – रेस्तरां, पर्यटन, शॉपिंग, निजी अस्पताल और निजी स्कूल।

प्रश्न 39 (कठिन). सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के उदय से तृतीयक क्षेत्र में कौन सी नई सेवाएँ बढ़ी हैं?
उत्तर – ऑनलाइन शॉपिंग, डिजिटल पेमेंट, सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट और कॉल सेंटर जैसी सेवाएँ।

» अल्प बेरोजगारी (प्रच्छन्न बेरोजगारी)

प्रश्न 40 (आसान). अगर एक दुकान में 5 लोग काम करते हैं, पर काम सिर्फ 3 लोगों का है, तो कितने लोग प्रच्छन्न बेरोजगार हैं?
उत्तर – 2 लोग

प्रश्न 41 (आसान). अल्प बेरोजगारी का दूसरा नाम क्या है?
उत्तर – प्रच्छन्न बेरोजगारी या छिपी हुई बेरोजगारी

प्रश्न 42 (मध्यम). एक परिवार के पास 1 बीघा ज़मीन है। इस पर 2 लोग काम करके पूरा उत्पादन कर सकते हैं। लेकिन परिवार के 6 सदस्य इसी ज़मीन पर लगे हुए हैं। यदि उनमें से 3 सदस्य शहर जाकर फैक्ट्री में काम करने लगें, तो क्या खेत का उत्पादन कम होगा?
उत्तर – नहीं, खेत का उत्पादन कम नहीं होगा, क्योंकि 1 बीघा ज़मीन के लिए 2 लोग ही काफी हैं।

» अतिरिक्त रोजगार का सृजन कैसे करें?

प्रश्न 43 (आसान). खेती में अल्प बेरोजगारी कम करने का एक तरीका बताओ।
उत्तर – सिंचाई सुविधाओं का विकास करना।

प्रश्न 44 (आसान). किसानों को अपनी फसलें बेचने में मदद करने के लिए कौन सी सुविधाएँ ज़रूरी हैं?
उत्तर – बेहतर सड़कें और भंडारण गृह (कोल्ड स्टोरेज)।

प्रश्न 45 (मध्यम). शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र में रोजगार कैसे बढ़ाया जा सकता है?
उत्तर – और अधिक स्कूल, अस्पताल, डॉक्टर, नर्स और शिक्षक उपलब्ध कराकर।

प्रश्न 46 (कठिन). ग्रामीण क्षेत्रों में उद्योग लगाने से अतिरिक्त रोजगार कैसे पैदा होता है, एक उदाहरण देकर समझाओ।
उत्तर – अगर किसान दालें उगाते हैं, तो उनकी प्रोसेसिंग के लिए दाल मिल लगाने से किसानों को बेहतर दाम मिलेगा और मिल में काम करने वाले लोगों को रोजगार मिलेगा। ऐसे ही शहद संग्रह केंद्र या आलू-प्याज के कोल्ड स्टोरेज भी काम कर सकते हैं।

» संगठित और असंगठित क्षेत्राक

प्रश्न 47 (आसान). एक स्कूल में पढ़ाता शिक्षक किस क्षेत्राक में आता है?
उत्तर – संगठित क्षेत्राक

प्रश्न 48 (आसान). एक ठेले पर सब्ज़ियाँ बेचता व्यक्ति किस क्षेत्राक में आता है?
उत्तर – असंगठित क्षेत्राक

प्रश्न 49 (मध्यम). एक बड़ी कपड़े की फैक्ट्री में काम करने वाला मज़दूर, जिसे पीएफ़ (PF) और ईएसआई (ESI) का लाभ मिलता है, वह किस क्षेत्राक में है?
उत्तर – संगठित क्षेत्राक, क्योंकि उसे सरकारी नियमों के तहत सामाजिक सुरक्षा और अन्य लाभ मिल रहे हैं।

प्रश्न 50 (कठिन). एक ऐसा व्यक्ति जो एक छोटी सी निजी दुकान में काम करता है, जहाँ उसे कोई लिखित नियुक्ति पत्र नहीं मिला है और कभी भी काम से निकाला जा सकता है, वह किस क्षेत्राक में है? इसमें क्या-क्या जोखिम हैं?
उत्तर – वह असंगठित क्षेत्राक में है। जोखिम हैं: रोज़गार की असुरक्षा, कम वेतन, कोई छुट्टी या मेडिकल लाभ नहीं, शोषण की संभावना।

» असंगठित क्षेत्राक के श्रमिकों का संरक्षण

प्रश्न 51 (आसान). ग्रामीण क्षेत्रों में असंगठित क्षेत्राक के किन्हीं दो श्रमिकों के नाम बताओ जिन्हें संरक्षण की ज़रूरत है।
उत्तर – भूमिहीन कृषि श्रमिक, छोटे किसान।

प्रश्न 52 (आसान). शहरी क्षेत्रों में असंगठित क्षेत्राक के किन्हीं दो श्रमिकों के नाम बताओ जिन्हें संरक्षण की ज़रूरत है।
उत्तर – दिहाड़ी मज़दूर, रेहड़ी-पटरी वाले।

प्रश्न 53 (मध्यम). असंगठित क्षेत्राक के श्रमिकों को संरक्षण क्यों मिलना चाहिए? कोई दो कारण बताओ।
उत्तर – उन्हें अक्सर कम वेतन मिलता है और उनका शोषण होता है; उन्हें कोई सामाजिक सुरक्षा या लाभ नहीं मिलता।

प्रश्न 54 (कठिन). सरकार असंगठित क्षेत्राक के श्रमिकों के संरक्षण के लिए कौन से तीन मुख्य उपाय कर सकती है?
उत्तर – सस्ते ऋण की सुविधा, स्वास्थ्य और पेंशन बीमा योजनाएँ, कौशल विकास प्रशिक्षण और बाज़ार से जोड़ने में मदद।

» स्वामित्व आधारित क्षेत्राक: सार्वजनिक और निजी

प्रश्न 55 (आसान). भारतीय रेलवे कौन से क्षेत्र का उदाहरण है?
उत्तर – सार्वजनिक क्षेत्र

प्रश्न 56 (आसान). Reliance Industries Limited कौन से क्षेत्र का उदाहरण है?
उत्तर – निजी क्षेत्र

प्रश्न 57 (मध्यम). सार्वजनिक और निजी क्षेत्र में मुख्य अंतर किस बात का होता है?
उत्तर – मालिकाना हक और उद्देश्य का। सार्वजनिक क्षेत्र का मालिक सरकार होती है और उद्देश्य जन कल्याण, जबकि निजी क्षेत्र का मालिक व्यक्ति/समूह और उद्देश्य लाभ कमाना होता है।

प्रश्न 58 (कठिन). बिजली आपूर्ति, सड़कें बनाना और अस्पताल जैसी सुविधाओं को अक्सर सरकार क्यों चलाती है, निजी कंपनियां क्यों नहीं?
उत्तर – क्योंकि इन चीज़ों पर बहुत ज़्यादा खर्च आता है, और अगर निजी कंपनियां इन्हें चलाएंगी तो वे बहुत ज़्यादा कीमत वसूलेंगी, जिससे आम आदमी के लिए ये सुविधाएं महंगी हो जाएंगी। सरकार इन्हें चलाकर सस्ती दरों पर या मुफ्त में उपलब्ध कराती है ताकि सभी लोगों को इनका लाभ मिल सके, खासकर गरीबों को। साथ ही, इन सुविधाओं का उद्देश्य लाभ कमाना नहीं, बल्कि जनता की सेवा करना है।

» सार्वजनिक क्षेत्राक का महत्व और सरकारी हस्तक्षेप

प्रश्न 59 (आसान). सार्वजनिक क्षेत्र का मुख्य उद्देश्य क्या होता है?
उत्तर – समाज का कल्याण करना।

प्रश्न 60 (आसान). कोई दो ऐसी सेवाओं के नाम बताओ जो सार्वजनिक क्षेत्र उपलब्ध कराता है।
उत्तर – सड़कें और रेलवे।

प्रश्न 61 (मध्यम). सरकार क्यों बिजली उत्पादन और वितरण में हस्तक्षेप करती है, जबकि प्राइवेट कंपनियाँ भी बिजली बना सकती हैं?
उत्तर – क्योंकि प्राइवेट कंपनियाँ बिजली बहुत ऊँचे दाम पर बेचेंगी, जिससे छोटे उद्योगों और आम लोगों को दिक्कत होगी। सरकार कम दाम पर बिजली उपलब्ध कराती है ताकि उद्योगों की लागत कम रहे और सभी को बिजली मिल सके।

प्रश्न 62 (कठिन). भारत में शिशु मृत्यु दर क्यों ज़्यादा है और सरकार इस पर क्यों ध्यान देती है?
उत्तर – भारत में आधे से ज़्यादा बच्चे कुपोषण का शिकार हैं, जिससे शिशु मृत्यु दर ज़्यादा है। स्वास्थ्य और पोषण जैसी बुनियादी सुविधाएँ सभी को मिलें, ये सरकार की ज़िम्मेदारी है। इसीलिए सरकार इस पर खर्च करती है और हस्तक्षेप करती है, ताकि बच्चों का सही विकास हो सके और देश आगे बढ़े।

हल किए हुए उदाहरण (step-by-step)

उदाहरण 1. नीचे दिए गए कामों को उनके क्षेत्राकों में बाँटिए: मछली पकड़ना, कार बनाना, बैंक में काम करना, जंगल से लकड़ी काटना, चीनी बनाना, डॉक्टर का इलाज करना।

› पहला काम है 'मछली पकड़ना'। मछली हमें सीधे पानी से मिलती है, प्रकृति से। तो यह 'प्राथमिक क्षेत्राक' में आएगा।

› दूसरा काम है 'कार बनाना'। कार सीधे प्रकृति से नहीं मिलती, इसे फैक्टरी में कई चीज़ों को जोड़कर बनाया जाता है। यह 'द्वितीयक क्षेत्राक' में आएगा।

› तीसरा काम है 'बैंक में काम करना'। बैंक में कोई चीज़ बनाई नहीं जाती, बल्कि पैसों से जुड़ी सेवाएँ दी जाती हैं। तो यह 'तृतीयक क्षेत्राक' में आएगा।

› चौथा काम है 'जंगल से लकड़ी काटना'। लकड़ी हमें सीधे जंगल यानी प्रकृति से मिलती है। तो यह 'प्राथमिक क्षेत्राक' में आएगा।

› पांचवाँ काम है 'चीनी बनाना'। चीनी गन्ने से बनती है, जो गन्ना प्रकृति से मिलता है, लेकिन चीनी बनाने के लिए उसे फैक्टरी में प्रोसेस किया जाता है। तो यह 'द्वितीयक क्षेत्राक' में आएगा।

› छठा काम है 'डॉक्टर का इलाज करना'। डॉक्टर कोई वस्तु नहीं बनाते, वे अपनी विशेषज्ञता से मरीजों को 'सेवा' देते हैं। तो यह 'तृतीयक क्षेत्राक' में आएगा।

उत्तर – प्राथमिक क्षेत्राक: मछली पकड़ना, जंगल से लकड़ी काटना।

द्वितीयक क्षेत्राक: कार बनाना, चीनी बनाना।

तृतीयक क्षेत्राक: बैंक में काम करना, डॉक्टर का इलाज करना।

उदाहरण 2. नीचे दी गई गतिविधियों में से प्राथमिक क्षेत्राक की गतिविधियां पहचानिए:

1. कपड़ा बनाना

2. जंगल से लकड़ी काटना

3. बैंक में काम करना

4. मुर्गियाँ पालना अंडे के लिए

› पहला है 'कपड़ा बनाना' - इसमें प्राकृतिक कपास को बदला जाता है, तो यह प्राथमिक नहीं है।

› दूसरा है 'जंगल से लकड़ी काटना' - लकड़ी सीधे प्रकृति से मिलती है, इसमें बदलाव नहीं किया जाता, तो यह प्राथमिक है।

› तीसरा है 'बैंक में काम करना' - यह एक सेवा है, तो यह भी प्राथमिक नहीं है।

› चौथा है 'मुर्गियाँ पालना अंडे के लिए' - यह पशुपालन से जुड़ा है और सीधे प्रकृति से उत्पाद (अंडे) मिलते हैं, तो यह भी प्राथमिक है।

उत्तर – प्राथमिक क्षेत्राक की गतिविधियां हैं: 2. जंगल से लकड़ी काटना और 4. मुर्गियाँ पालना अंडे के लिए।

उदाहरण 3. बताइए कि 'गेहूं से आटा बनाना' कौन से क्षेत्राक की गतिविधि है?

› पहला कदम: पहचानो कि मूल चीज़ क्या है। यहाँ मूल चीज़ 'गेहूं' है।

› दूसरा कदम: देखो कि गेहूं कहाँ से आया? गेहूं खेत में उगता है, जो सीधे प्रकृति से आता है, तो यह 'प्राथमिक' गतिविधि है।

› तीसरा कदम: अब देखो कि गेहूं के साथ क्या किया गया? गेहूं को पीसकर 'आटा' बनाया गया है। इसमें गेहूं का रूप बदला गया है, एक नई चीज़ बनाई गई है।

› चौथा कदम: जब प्राकृतिक चीज़ का रूप बदला जाता है, तो वह 'द्वितीयक क्षेत्राक' की गतिविधि बन जाती है।

उत्तर – गेहूं से आटा बनाना द्वितीयक क्षेत्राक की गतिविधि है।

उदाहरण 4. नीचे दी गई गतिविधियों में से तृतीयक क्षेत्राक की गतिविधियों को पहचानिए:

1. गन्ना उगाना

2. कपड़े सिलना

3. बैंक में पैसे जमा करना

4. सब्जियों को एक शहर से दूसरे शहर ले जाना

› पहले गतिविधि 1 देखें: 'गन्ना उगाना' - यह सीधे प्रकृति से जुड़ा है, तो यह प्राथमिक क्षेत्राक है।

› फिर गतिविधि 2: 'कपड़े सिलना' - यहाँ कच्ची रुई से कपड़ा बन रहा है, तो यह द्वितीयक क्षेत्राक है।

› अब गतिविधि 3: 'बैंक में पैसे जमा करना' - बैंक हमें वित्तीय सेवाएँ देता है, यह कोई वस्तु नहीं बना रहा। तो यह तृतीयक क्षेत्राक है।

› आखिरी गतिविधि 4: 'सब्जियों को एक शहर से दूसरे शहर ले जाना' - यह 'परिवहन' की सेवा है, जो वस्तुओं को बनाने में मदद नहीं कर रही बल्कि उन्हें एक जगह से दूसरी जगह पहुंचा रही है। यह भी तृतीयक क्षेत्राक है।

उत्तर – तृतीयक क्षेत्राक की गतिविधियाँ हैं:

3. बैंक में पैसे जमा करना

4. सब्जियों को एक शहर से दूसरे शहर ले जाना

उदाहरण 5. यह समझाओ कि एक कपास के कपड़े का उत्पादन तीनों क्षेत्राकों की परस्पर-निर्भरता को कैसे दिखाता है।

› पहला चरण: किसान खेत में कपास उगाता है। यह 'प्राथमिक क्षेत्राक' की गतिविधि है, क्योंकि यहाँ प्राकृतिक उत्पाद सीधे भूमि से मिल रहा है।

› दूसरा चरण: यह कच्चा कपास फैक्ट्रियों में जाता है। यहाँ कपास से धागा बनता है, और फिर धागे से कपड़ा बनता है। यह 'द्वितीयक क्षेत्राक' की गतिविधि है, जहाँ कच्चे माल को बदलकर नया उत्पाद बनाया जा रहा है।

› तीसरा चरण: कपड़ा बनने के बाद, इसे ट्रकों और ट्रेनों से थोक बाजारों और फिर दुकानों तक पहुंचाया जाता है। दुकानदार इसे ग्राहकों को बेचते हैं। ये परिवहन और व्यापार की सेवाएँ 'तृतीयक क्षेत्राक' का हिस्सा हैं।

› निष्कर्ष: देखो, अगर किसान कपास न उगाए, तो धागा और कपड़ा नहीं बनेगा। अगर फैक्ट्री कपड़े न बनाए, तो दुकानदार क्या बेचेगा? और अगर ट्रांसपोर्ट न हो, तो कपड़ा फैक्ट्री से दुकान तक पहुंचेगा ही नहीं। इस तरह, कपास के कपड़े का उत्पादन इन तीनों क्षेत्राकों की गहरी निर्भरता को स्पष्ट दिखाता है।

उत्तर – कपास का उत्पादन (प्राथमिक), कपड़े का निर्माण (द्वितीयक), और उसका परिवहन व बिक्री (तृतीयक) - ये सभी कदम एक-दूसरे पर निर्भर करते हैं, जिससे स्पष्ट होता है कि तीनों क्षेत्राक परस्पर जुड़े हुए हैं।

उदाहरण 6. मान लीजिए एक बेकरी ₹500 का आटा खरीदती है। वो उस आटे से बिस्कुट बनाकर ₹1200 में बेचती है। किसान ने जिस गेहूँ से वो आटा बना था, वो ₹300 में आटा मिल को बेचा था। तो GDP में कितना मूल्य जोड़ा जाएगा?

› पहला चरण: पहचानो कि अंतिम वस्तु क्या है। इस उदाहरण में, बिस्कुट अंतिम वस्तु है क्योंकि ग्राहक सीधे बिस्कुट खरीदता है।

› दूसरा चरण: अंतिम वस्तु का मूल्य पता करो। बिस्कुट ₹1200 में बेचे गए हैं।

› तीसरा चरण: मध्यवर्ती वस्तुओं के मूल्य को छोड़ दें। गेहूँ (₹300) और आटा (₹500) मध्यवर्ती वस्तुएँ हैं, इन्हें GDP में अलग से नहीं जोड़ा जाएगा क्योंकि इनका मूल्य बिस्कुट के मूल्य में पहले ही शामिल हो गया है।

उत्तर – GDP में ₹1200 का मूल्य जोड़ा जाएगा।

उदाहरण 7. मान लीजिए एक शर्ट बनाने वाली कंपनी 500 रुपये का कपड़ा और 100 रुपये के बटन खरीदती है। कंपनी इस कपड़े और बटन से एक शर्ट बनाकर 1000 रुपये में बेचती है। सरकार इस शर्ट पर 50 रुपये का टैक्स लगाती है, लेकिन 20 रुपये की सब्सिडी भी देती है। इसका सकल मूल्य वर्धित (GVA) और सकल घरेलू उत्पाद (GDP) में क्या योगदान होगा?

› पहले लागत देखें: कपड़ा (500 रुपये) + बटन (100 रुपये) = 600 रुपये।

› शर्ट का बाज़ार मूल्य = 1000 रुपये।

› जोड़ा गया सकल मूल्य (Gross Value Added before taxes/subsidies) = बाज़ार मूल्य - लागत = 1000 - 600 = 400 रुपये।

› अब टैक्स और सब्सिडी एडजस्ट करें: GVA = जोड़ा गया सकल मूल्य + सब्सिडी - टैक्स = 400 + 20 - 50 = 370 रुपये।

› GDP का योगदान (अंतिम वस्तु का मूल्य) = शर्ट का अंतिम विक्रय मूल्य = 1000 रुपये।

उत्तर – इस मामले में, GVA 370 रुपये है, जो कंपनी द्वारा जोड़े गए वास्तविक मूल्य को दर्शाता है, जबकि GDP में इसका योगदान 1000 रुपये है, जो अंतिम विक्रय मूल्य है।

उदाहरण 8. प्राचीन काल से आज तक, एक विकसित देश की अर्थव्यवस्था में क्षेत्राकों के महत्व में आए क्रमिक परिवर्तनों को समझाइए।

› सबसे पहले, जब समाज विकसित होना शुरू हुआ, तो लोगों की मुख्य ज़रूरतें खाना और कपड़े थे। इसलिए, खेती-बाड़ी और जानवरों को पालना सबसे ज़रूरी काम था। यानी, प्राथमिक क्षेत्राक (कृषि) का महत्व सबसे ज़्यादा था।

› फिर, धीरे-धीरे लोगों ने चीज़ों को बनाना सीखा - जैसे हाथ से कपड़े बनाना, औज़ार बनाना। जब बड़े-बड़े कारखाने आए, तो लोगों ने खेतों का काम छोड़कर कारखानों में काम करना शुरू किया। यानी, द्वितीयक क्षेत्राक (उद्योग) का महत्व बढ़ने लगा।

› और अब, आज के समय में, जब देश और ज़्यादा विकसित हुए हैं, तो लोगों की ज़रूरतें सिर्फ़ खाना या बनी हुई चीज़ें नहीं हैं। उन्हें डॉक्टर, इंजीनियर, टीचर, बैंक वाले, सॉफ्टवेयर डेवलपर, दुकानदार जैसी 'सेवाओं' की ज़रूरत है। इसलिए, आजकल तृतीयक क्षेत्राक (सेवाएँ) सबसे ज़्यादा महत्वपूर्ण हो गया है।

› तो, हम देखते हैं कि यह एक क्रम में बदलता है - प्राथमिक से द्वितीयक, और फिर द्वितीयक से तृतीयक।

उत्तर – विकसित देशों में ऐतिहासिक रूप से पहले प्राथमिक, फिर द्वितीयक और अंत में तृतीयक क्षेत्राक का महत्व बढ़ा है।

उदाहरण 9. मान लीजिए एक गाँव में कुल 100 लोग काम कर रहे हैं। 1977 में 80 लोग खेती में थे, 10 लोग छोटे उद्योग में और 10 लोग दुकानदारी/सेवाओं में। 2017 में 50 लोग खेती में हैं, 20 लोग उद्योग में और 30 लोग सेवाओं में। बताओ, रोजगार के लिहाज़ से सबसे बड़ा क्षेत्राक कौन सा रहा और क्या बदलाव आया?

› पहला, हम 1977 के आँकड़े देखेंगे: खेती में 80 लोग, उद्योग में 10, सेवाओं में 10। तो सबसे बड़ा क्षेत्राक खेती है।

› दूसरा, अब 2017 के आँकड़े देखते हैं: खेती में 50 लोग, उद्योग में 20, सेवाओं में 30। अब भी सबसे ज़्यादा लोग खेती में ही हैं।

› तीसरा, बदलाव देखते हैं: खेती में लोगों की संख्या कम हुई है (80 से 50), पर फिर भी वह सबसे ज़्यादा लोगों को रोजगार दे रहा है। उद्योग और सेवाओं में रोजगार बढ़े हैं, पर खेती जितने नहीं।

उत्तर – रोजगार के लिहाज़ से, 1977 में भी खेती (प्राथमिक क्षेत्राक) सबसे बड़ा क्षेत्राक था, और 2017 में भी खेती (प्राथमिक क्षेत्राक) ही सबसे बड़ा नियोक्ता बना रहा, हालांकि लोगों की संख्या में थोड़ी कमी आई है। द्वितीयक और तृतीयक क्षेत्राक में रोजगार बढ़ा है, लेकिन उतना नहीं कि प्राथमिक क्षेत्राक की जगह ले सकें।

उदाहरण 10. भारत में तृतीयक क्षेत्राक के महत्व बढ़ने के कोई चार कारण बताइए।

› पहला कारण है 'बुनियादी सेवाओं की आवश्यकता'। जैसे कि अस्पताल, स्कूल, पोस्ट ऑफिस, पुलिस स्टेशन, कचहरी आदि। ये ऐसी सेवाएँ हैं जो हर देश को चाहिए होती हैं और सरकार इनकी व्यवस्था करती है।

› दूसरा कारण है 'कृषि और उद्योग का विकास'। जब खेती और फैक्ट्रियाँ बढ़ती हैं, तो उन्हें सामान लाने-ले जाने के लिए ट्रांसपोर्ट चाहिए, बेचने के लिए व्यापार चाहिए और रखने के लिए गोदाम चाहिए। ये सब भी तो सेवाएँ ही हैं, जो प्राथमिक और द्वितीयक क्षेत्र के बढ़ने से खुद-ब-खुद बढ़ने लगती हैं।

› तीसरा कारण है 'आय में वृद्धि'। जब लोगों की कमाई बढ़ती है, तो वे ज़्यादा खर्च करते हैं। लोग रेस्टोरेंट में खाना खाने जाते हैं, घूमने जाते हैं, शॉपिंग करते हैं, प्राइवेट स्कूल या अस्पताल जाते हैं। ये सब भी सेवाएँ ही हैं जिनकी मांग बढ़ती है।

› और चौथा कारण है 'सूचना और संचार प्रौद्योगिकी का उदय'। आजकल इंटरनेट, मोबाइल फोन, कंप्यूटर से जुड़ी सेवाएँ, जैसे ऑनलाइन शॉपिंग, डिजिटल पेमेंट, सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट - ये सब बहुत बढ़ गए हैं और हमारे जीवन का अहम हिस्सा बन गए हैं।

उत्तर – भारत में तृतीयक क्षेत्र के महत्व बढ़ने के मुख्य कारण हैं: बुनियादी सेवाओं की आवश्यकता, कृषि और उद्योग का विकास, लोगों की आय में वृद्धि, और सूचना व संचार प्रौद्योगिकी का उदय।

उदाहरण 11. एक किसान के खेत में 2 एकड़ ज़मीन है, जिस पर खेती करने के लिए 3 मजदूरों की ज़रूरत है। लेकिन उसके परिवार के 5 सदस्य उसी खेत पर काम कर रहे हैं। यहाँ कितने सदस्य अल्प बेरोजगारी में हैं?

› पहला कदम: हमें यह देखना है कि खेत पर असल में कितने लोगों की ज़रूरत है। यहाँ बताया गया है कि 3 मजदूरों की ज़रूरत है।

› दूसरा कदम: अब हम यह देखेंगे कि कितने लोग वास्तव में काम कर रहे हैं। यहाँ परिवार के 5 सदस्य काम कर रहे हैं।

› तीसरा कदम: जितनी ज़रूरत है (3) उसे कुल काम कर रहे लोगों (5) में से घटा देंगे। 5 - 3 = 2

› चौथा कदम: तो 2 सदस्य ऐसे हैं जिनकी ज़रूरत नहीं है, पर वे फिर भी खेत पर काम कर रहे हैं।

उत्तर – इस उदाहरण में 2 सदस्य अल्प बेरोजगारी (प्रच्छन्न बेरोजगारी) में हैं।

उदाहरण 12. मान लीजिए एक गाँव में 500 एकड़ असिंचित भूमि है जहाँ सिर्फ एक ही फसल उगाई जाती है। सरकार एक नई नहर का निर्माण करती है जिससे 400 एकड़ भूमि को साल में दो फसलें उगाने का मौका मिलता है। यदि प्रति एकड़ दूसरी फसल पर 20 मानव-दिवस का अतिरिक्त रोजगार मिलता है, तो कुल कितना अतिरिक्त रोजगार सृजित होगा?

› पहला कदम: हमें यह देखना है कि कितनी जमीन पर अतिरिक्त फसल उगेगी। यहाँ 400 एकड़ पर दो फसलें उगाई जा सकेंगी।

› दूसरा कदम: अब हम देखेंगे कि प्रति एकड़ कितना अतिरिक्त रोजगार मिलेगा। यह है 20 मानव-दिवस प्रति एकड़।

› तीसरा कदम: कुल अतिरिक्त रोजगार निकालने के लिए, अतिरिक्त जमीन को प्रति एकड़ रोजगार से गुणा करेंगे।

› तो, 400 एकड़ × 20 मानव-दिवस/एकड़ = 8000 मानव-दिवस।

उत्तर – इस नहर परियोजना से कुल 8000 मानव-दिवस का अतिरिक्त रोजगार सृजित होगा।

उदाहरण 13. कांता एक ऑफिस में सुबह 9:30 बजे से शाम 5:30 बजे तक काम करती है। उसे हर महीने सैलरी मिलती है, रविवार को छुट्टी मिलती है और भविष्य निधि भी कटती है। वहीं, कमल एक किराना दुकान में सुबह 7:30 से रात 8:00 बजे तक काम करता है। उसे सिर्फ दिहाड़ी मिलती है और कोई छुट्टी नहीं मिलती। कांता और कमल में से कौन संगठित और कौन असंगठित क्षेत्राक में काम कर रहा है, और क्यों?

› पहचानें कांता की काम की शर्तें: निश्चित समय, नियमित वेतन, छुट्टी, भविष्य निधि।

› पहचानें कमल की काम की शर्तें: लंबा अनिश्चित समय, सिर्फ दिहाड़ी, कोई छुट्टी या भत्ता नहीं।

› तुलना करें: कांता की शर्तें सरकारी नियमों के तहत सुरक्षा और लाभ वाली हैं। कमल की शर्तें असुरक्षित और अनियमित हैं।

› निष्कर्ष निकालें: कांता संगठित क्षेत्राक में है क्योंकि उसे नियम और लाभ मिलते हैं। कमल असंगठित क्षेत्राक में है क्योंकि उसे कोई सुरक्षा या लाभ नहीं मिलता और काम की शर्तें भी अनिश्चित हैं।

उत्तर – कांता संगठित क्षेत्राक में काम कर रही है, और कमल असंगठित क्षेत्राक में।

उदाहरण 14. मान लीजिए एक गाँव में रमेश नाम का भूमिहीन किसान है, जो दूसरों के खेतों में मज़दूरी करता है। उसे कैसे सहायता मिल सकती है?

› पहला कदम: रमेश को सरकार की 'प्रधानमंत्री किसान मानधन योजना' या 'श्रम योगी मानधन योजना' जैसी पेंशन योजनाओं के बारे में बताना चाहिए ताकि बुढ़ापे में उसे कुछ सहारा मिले।

› दूसरा कदम: उसे सस्ते ब्याज पर बैंक से ऋण (लोन) लेने में मदद करनी चाहिए ताकि वह अपना कोई छोटा काम शुरू कर सके या खेती के लिए उपकरण खरीद सके।

› तीसरा कदम: अगर वह किसी खास कला में माहिर है, जैसे बुनाई, तो उसे उस कौशल को बढ़ावा देने के लिए सरकारी योजनाओं से जोड़ना चाहिए ताकि वह अपना सामान सीधे बाज़ार में बेच सके।

› चौथा कदम: उसे 'आयुष्मान भारत' जैसी स्वास्थ्य बीमा योजनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित करना चाहिए ताकि बीमारी में उसे और उसके परिवार को आर्थिक दिक्कत न हो।

उत्तर – इस तरह रमेश जैसे भूमिहीन किसान को आर्थिक सुरक्षा, काम के अवसर और सामाजिक लाभ देकर उसका संरक्षण किया जा सकता है।

उदाहरण 15. मान लीजिए आपके मोहल्ले में एक नया फ्लाईओवर बन रहा है। इस फ्लाईओवर का निर्माण कौन से क्षेत्र में आएगा - सार्वजनिक या निजी? और क्यों?

› पहला कदम: हमें यह देखना होगा कि इस फ्लाईओवर का मालिक कौन है और इसे बनाने का मुख्य उद्देश्य क्या है।

› दूसरा कदम: क्या कोई अकेला व्यक्ति या कंपनी इतना बड़ा प्रोजेक्ट चला रही है?

› तीसरा कदम: क्या इसका मुख्य उद्देश्य पैसा कमाना है, या लोगों को सुविधा देना?

› चौथा कदम: क्योंकि फ्लाईओवर सब लोगों के इस्तेमाल के लिए है और सरकार इसे बनाती है ताकि यातायात सुगम हो, इसका उद्देश्य लाभ कमाना नहीं बल्कि लोगों को सुविधा देना है।

उत्तर – यह फ्लाईओवर सार्वजनिक क्षेत्र में आएगा, क्योंकि इसका स्वामित्व सरकार के पास है और इसका मुख्य उद्देश्य जनहित यानी लोगों को सुविधा पहुंचाना है, न कि लाभ कमाना।

उदाहरण 16. क्यों सरकार किसानों से गेहूँ-चावल खरीदती है और फिर राशन की दुकानों से कम दाम पर बेचती है?

› पहला कदम: किसानों को अपनी फसल का उचित दाम मिले, इसलिए सरकार खुद उनसे गेहूँ-चावल खरीदती है।

› दूसरा कदम: खरीदे हुए अनाज को सरकार अपने गोदामों में जमा करके रखती है, ताकि ज़रूरत पड़ने पर उसे इस्तेमाल किया जा सके।

› तीसरा कदम: फिर सरकार इसी अनाज को राशन की दुकानों के ज़रिए बहुत कम दाम पर गरीब परिवारों को बेचती है।

› चौथा कदम: ऐसा करके सरकार किसानों और उपभोक्ताओं दोनों की मदद करती है, उन्हें बाज़ार की ऊँची-नीची कीमतों से बचाती है।

› निष्कर्ष: यह दिखाता है कि सरकार ज़रूरी वस्तुओं को सभी तक पहुँचाने के लिए कैसे हस्तक्षेप करती है, क्योंकि निजी व्यापारी इतने कम दाम पर नहीं बेचेंगे और गरीब लोगों को मुश्किल होगी।

उत्तर – सरकार किसानों और गरीब उपभोक्ताओं दोनों को फायदा पहुँचाने और खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए यह हस्तक्षेप करती है, क्योंकि निजी क्षेत्र इतनी कम कीमतों पर अनाज उपलब्ध नहीं कराएगा।

बोर्ड परीक्षा के लिए ख़ास

• यह अवधारणा बोर्ड परीक्षाओं के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। अक्सर, विभिन्न आर्थिक गतिविधियों के उदाहरण देकर उन्हें सही क्षेत्राक में वर्गीकृत करने या प्रत्येक क्षेत्राक की विशेषताओं का वर्णन करने के लिए प्रश्न आते हैं।

• बोर्ड परीक्षा में प्राथमिक क्षेत्राक के उदाहरण ज़रूर पूछे जाते हैं, इसलिए कृषि, डेयरी, मछली पालन और खनन के उदाहरण अच्छे से याद रखना।

• बोर्ड परीक्षा में, प्राथमिक और द्वितीयक क्षेत्राक के उदाहरणों को अच्छे से याद रखना, खासकर विनिर्माण के उदाहरणों को।

• बोर्ड परीक्षा में अक्सर तृतीयक क्षेत्राक के उदाहरण पूछे जाते हैं, इसलिए इसके विभिन्न उदाहरणों को अच्छे से समझना और याद रखना बहुत ज़रूरी है।

• बोर्ड परीक्षा में अक्सर ऐसे उदाहरण देकर पूछा जाता है कि कैसे एक उत्पाद इन तीनों क्षेत्राकों की निर्भरता को दर्शाता है। इसलिए हर क्षेत्राक का काम और उनकी आपस की कड़ी को अच्छे से समझना बहुत ज़रूरी है।

• यह अवधारणा बोर्ड परीक्षाओं के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। GDP की परिभाषा और 'अंतिम वस्तु' व 'मध्यवर्ती वस्तु' के अंतर पर आधारित प्रश्न अक्सर आते हैं।

• यह अवधारणा बोर्ड परीक्षाओं के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। GVA और GDP के बीच के अंतर को उदाहरणों के साथ स्पष्ट करने के लिए अक्सर प्रश्न आते हैं। करों और सब्सिडी के समायोजन को याद रखना।

• यह प्रश्न सीधे-सीधे बोर्ड परीक्षा में 3 या 5 अंक का आ सकता है कि 'विकसित देशों में क्षेत्राकों के ऐतिहासिक परिवर्तन और सेवा क्षेत्राक के बढ़ते महत्व का वर्णन करें'।

• यह अवधारणा बोर्ड परीक्षाओं के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। 'उत्पादन में तृतीयक क्षेत्राक का बढ़ता महत्व' और 'कृषि में अल्प-बेरोज़गारी' पर अक्सर सीधे प्रश्न पूछे जाते हैं। डायग्राम्स को ध्यान से समझना और उनका विश्लेषण करना सीखो।

• यह प्रश्न बोर्ड परीक्षाओं में सीधा-सीधा पूछा जा सकता है, इसलिए चारों कारणों को उदाहरण के साथ अच्छे से समझना और याद रखना बहुत ज़रूरी है।

• यह प्रश्न बोर्ड परीक्षा में अक्सर पूछा जाता है कि अल्प बेरोजगारी क्या है और यह खुली बेरोजगारी से कैसे अलग है। उदाहरण के साथ समझाना ज़रूरी है।

• यह विषय बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है! 'अतिरिक्त रोजगार के सृजन के उपाय' सीधे प्रश्न के रूप में आ सकता है, इसलिए सभी बिंदुओं को उदाहरणों के साथ याद रखना बहुत ज़रूरी है।

• संगठित और असंगठित क्षेत्राकों के बीच अंतर बताने वाले बिंदुओं को अच्छे से याद कर लें, खासकर 'लाभ' और 'सुरक्षा' के संदर्भ में। उदाहरणों के साथ समझाना महत्वपूर्ण है।

• यह विषय बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। इसमें से 'असंगठित क्षेत्राक के श्रमिकों को संरक्षण की आवश्यकता क्यों है' या 'संरक्षण के लिए क्या उपाय किए जा सकते हैं' जैसे सीधे प्रश्न आ सकते हैं।

• यह वर्गीकरण बोर्ड परीक्षाओं के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। अक्सर सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों के बीच अंतर और उनके उद्देश्यों पर सीधे प्रश्न पूछे जाते हैं। उदाहरणों के साथ तैयारी करें।

• यह अवधारणा बोर्ड परीक्षाओं के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। अक्सर इस पर सीधे प्रश्न आते हैं कि सार्वजनिक क्षेत्र का महत्व क्या है और सरकार किन गतिविधियों पर खर्च करती है, उदाहरणों के साथ समझाइए।

एक नज़र में रिवीज़न

› आर्थिक गतिविधियाँ 3 क्षेत्राकों में बँटी हैं: प्राथमिक (प्रकृति), द्वितीयक (उद्योग), तृतीयक (सेवा)।

› प्राथमिक क्षेत्राक = प्रकृति का सीधा उपयोग (कृषि, डेयरी, खनन)।

› द्वितीयक क्षेत्राक = प्राकृतिक उत्पादों का विनिर्माण से रूप परिवर्तन (औद्योगिक क्षेत्राक)

› तृतीयक क्षेत्राक = सेवा क्षेत्राक; वस्तुओं के बजाय सेवाएँ, अन्य क्षेत्रों को सहायता।

› तीनों क्षेत्राक (प्राथमिक, द्वितीयक, तृतीयक) एक-दूसरे पर निर्भर हैं।

› GDP: एक वर्ष में सभी अंतमि वस्तुओं और सेवाओं का कुल मूल्य।

› GVA = उत्पादन मूल्य - मध्यवर्ती लागत + सब्सिडी - टैक्स। GDP = अंतमि वस्तुओं/सेवाओं का कुल मूल्य।

› विकसित देशों में महत्व प्राथमिक द्वितीयक तृतीयक क्षेत्राक की ओर बदला।

› उत्पादन में तृतीयक सबसे आगे; रोजगार में प्राथमिक सबसे बड़ा नियोक्ता (अल्प-बेरोज़गारी).

› तृतीयक क्षेत्र महत्व के कारण: बुनियादी सेवाएँ, कृषि-उद्योग विकास, आय वृद्धि, IT.

› अल्प बेरोजगारी: ज़रूरत से ज़्यादा लोग एक ही काम में लगे हों, उत्पादन पर फर्क न पड़े।

› अल्प बेरोजगारी कम करने हेतु सिंचाई, ऋण, ग्रामीण उद्योग, शिक्षा-स्वास्थ्य विस्तार।

› संगठित: नियम, सुरक्षा, लाभ; असंगठित: अनियमित, असुरक्षित, कम लाभ।

› असंगठित श्रमिकों को सुरक्षा: ग्रामीण-शहरी, आर्थिक-सामाजिक सहायता।

› स्वामित्व के आधार पर: सार्वजनिक (सरकार, जन कल्याण) और निजी (व्यक्ति/समूह, लाभ)।

› सार्वजनिक क्षेत्र: समाज कल्याण, सरकार का हस्तक्षेप, ज़रूरी सेवाओं की उपलब्धता।